रशिया-कज़ान। भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए तारारस्तान गणराज्य(रशिया) की राजधानी कज़ान पहुंचे। इस दौरान कॉर्स्टन होटल में सैकड़ों भारतीय छात्रों, रूस में भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ-साथ भारतीय दूतावास, जवाहरलाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र के प्रतिनिधियों, व्यापारियों, कलाकारों और भारत प्रेमी लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस मौके पर ब्रह्माकुमारीज़ को भारतीय दूतावास से स्वागत समारोह में शामिल होने का आधिकारिक निमंत्रण मिला। ब्र.कु. सुधा बहन, ब्र.कु. विजय कुमार, ब्र.कु. साशा, ब्र.कु. मरीना तथा सेंट पीटर्सबर्ग और कज़ान से ब्रह्माकुमारीज़ के सदस्यों के एक समूह ने शामिल होकर माननीय प्रधानमंत्री का संस्थान की ओर से स्वागत व अभिवादन किया।

हमारे संस्कार हमारी एक्टिविटी, दृष्टि और शब्दों को प्रभावित करते...

हमारे अन्दर जो शक्ति काम करा रही है वो बाबा ही है

- गतांक से आगे...

राजयोगी ब्र.कु. जगदीशचन्द्र हसीजा

जैसा कि पिछले अंक में आपने पढ़ा कि अगर हमारे अन्दर यह हो कि बाबा मिल गया, सब मिल गया, अभी हमें कुछ नहीं चाहिए। योगी जीवन ही सर्वश्रेष्ठ जीवन है। योग से सब सिद्धियां स्वतः मिल जायेंगी, प्रकृति दासी हो जायेगी। जब यह बुद्धि में रहता तो तृष्णायें खत्म हो जाती हैं। योग ठीक हो जाता तो न कोई हमारा अपमान करता, न विघ्न डालता, न दुव्यर्वहार करता। पराकाष्ठा की स्टेज जब प्राप्त हो जाती है तो सब तूफान खत्म हो जाते हैं। लेकिन हम वह न करके पहले तृष्णाओं को पूरा करने की कोशिश करते हैं तो उसका परिणाम यह होता कि हम योग का गहरा अनुभव नहीं कर पाते। अब आगे पढ़ते हैं...

लगाव : लगाव और आसक्ति में भी फर्क है। जो हमारी कर्मेन्द्रियों के विषय हैं, स्थूल पदार्थ हैं उनके प्रति हमारी आसक्तियां होती हैं। लेकिन जिनके साथ हम रहते हैं, जिस स्थान पर बहुत समय रहते हैं उससे विशेष लगाव हो जाता है। जो चीज़ें हमें प्रयोग करने के लिए मिलती हैं, उनसे भी लगाव हो जाता है। जब कोई चीज़ के साथ लगातार सम्पर्क रहता तो उसका परिणाम स्वाभाविक रूप से यही होता है। इसलिए कहा गया है कि बहता पानी ठीक रहता है, खड़ा हुआ पानी गंदा हो जाता है। जब कोई अपना स्थान बनायेगा, साधना बनायेगा तो उसके परिणाम स्वरूप यही होगा जो न चाहते हुए, न ध्यान देते हुए उसके लिए भावना हो जायेगी। कर्मणा में आते-आते उसमें सूक्ष्म लगाव पैदा हो जाता है। इसके परिणाम अनेक प्रकार से निकलते हैं। लगाव होने से बाबा की तरफ जो हमारा खिंचाव चाहिए वह कम हो जाता है। आसक्ति आकर्षणात्मक है लेकिन लगाव अभ्यासात्मक है। यानी रहते-रहते हमें अभ्यास हो जाता है। आसक्ति होती है तो वह चीज़ें हैं खिंचती हैं- यह सुन्दर है। आँख का विषय है सौन्दर्य और जिव्हा का विषय है स्वाद। तो हरेक कर्मेन्द्रिय को अगर कोई खींचता है तो वह हुआ आकर्षणात्मक। लेकिन लगाव का गुण अभ्यासात्मक है। जो चीज़ बार-बार प्रयोग करेंगे, जिसके साथ रहेंगे उससे आपका अभ्यास पड़ जाने से लगाव हो जायेगा। फिर इस लगाव का परिणाम निकलता है- पक्षपात। पक्षपात का परिणाम है अन्याय। फिर सत्य-असत्य का विवेक नहीं रहता। फिर अगर बड़े भी समझायेंगे कि तुम्हारी यह एक्टिविटी गलत है तो भी समझ में नहीं आयेगा। क्योंकि विवेक पर पर्दा पड़ जाता है। जिससे सत्य-असत्य का बोध नहीं होता। कोई अगर राइट बात भी सुनायें कि तुम ठीक नहीं करते हो, तो उसे भी हम राइट न समझकर कहेंगे कि यह तो हमारे पर शक करते हैं, आपको किसी ने हमारी रिपोर्ट की है, विरोधियों ने आपके कान भर दिये हैं। आप हमारी बात नहीं सुनते, उनकी बात सुनकर हमारी बेइज्ज़ती करते हो। तो यह परिणाम है लगाव का।

हम एक-दूसरे के बारे में अनुमान न लगायें। अनुमान उठे ही नहीं, अगर उठता है तो हम आपस में स्पष्ट कर लें। मिसअन्डरस्टैंडिंग में न आयें। प्रेम व स्नेह से बात कर लें। जो हम दूसरे के बारे में फाइनल ओपीनियन बना लेते हैं या जजमेंट बना लेते हैं, उसके बजाय उसे इतना तो अधिकार दें जो वह एक दफा स्पष्टीकरण तो कर ले।

इन सभी का टोटल परिणाम होता- निराशा। उमंग-उत्साह कम हो जाता है। यही योग में बहुत बड़ा विघ्न है। न सेवा कर पायेंगे, न योग लगेगा। हर तरफ से मन वीरान हो जायेगा, उचाट हो जायेगा। कारण क्या? अन्दर बीमारी भरी हुई है। इसके लिए बाबा कहता है सेल्फ डॉक्टर बनो। अपने आपको आपेही चेक कर लो। जब हम इन सूक्ष्म बीमारियों से मुक्त होंगे, तब अनुभव होगा कि हम बाबा के इन्स्ट्रुमेंट हैं। हमारी चाबी उसके हाथ में है। हमारे अन्दर जो शक्ति काम करा रही है वह बाबा ही है। मेहनत कम करनी पड़ेगी, प्राप्ति ज़्यादा होगी। विघ्न आयेंगे ही नहीं। अनुभव होगा जैसे हमें टोटल बाबा ने अपना बना लिया। हम बाबा के ही प्रभाव के नीचे हैं। जैसे उसके ही हम हो गये।

हम सर्व के सहयोग से सुखमय संसार बनाने का कार्यक्रम कर रहे हैं लेकिन हमारा यह जो दैवी संसार है इसमें हम एक-दूसरे को क्या सहयोग दें? सबसे पहले हमारी जो कमज़ोरियां हैं, भाव-स्वभाव या पुरानेपन की बातें जो हमें खींचती हैं, उसमें हम एक-दूसरे के बीच संघर्ष पैदा न करके, किसको ज़्यादा नीचे न उतारकर हम उसे ऊंची स्टेज पर रहने का सहयोग दें और स्वयं भी ऊंची स्टेज पर रहें। जैसे हम खुद आगे बढ़ने की कोशिश करते हैं वैसे हम दूसरों को भी आगे बढ़ाने का ऐम रखें। दूसरा, हम एक-दूसरे के बारे में अनुमान न लगायें। अनुमान उठे ही नहीं, अगर उठता है तो हम आपस में स्पष्ट कर लें। मिसअन्डरस्टैंडिंग में न आयें। प्रेम व स्नेह से बात कर लें। जो हम दूसरे के बारे में फाइनल ओपीनियन बना लेते हैं या जजमेंट बना लेते हैं, उसके बजाय उसे इतना तो अधिकार दें जो वह एक दफा स्पष्टीकरण तो कर ले। उसके बाद हम अपने दृढ़ विचार बनायें। हम अपने मन में किसी के प्रति कोई धारणा बनाकर मन खराब न करें। हमारा आपसी रिलेशन अच्छा हो। हम एक-दूसरे की क्रिटिसाइज़ न करें। एक-दूसरे को सहयोग दें और आगे बढ़ाने का भाव रखें तो इन सब धारणाओं से हम योग की गहराई का अनुभव कर सकेंगे।

भीनमाल-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में ब्लॉक स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर गत वर्ष 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 57 विद्यार्थियों तथा उनके अभिभावकों का माला, शॉल एवं स्मृति चिन्ह के द्वारा अभिनंदन किया गया। समारोह में सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. गीता बहन, भारत विकास परिषद् भीनमाल के अध्यक्ष नरेंद्र आचार्य, 'सन तो ह्यूमन' भीनमाल के अध्यक्ष कन्हैयालाल खण्डेलवाल, लक्ष्मण भजवाड़, अर्जुन कुमार जीनगर, नागरिक कल्याण मंच एवं जिले के वरिष्ठ पत्रकार माणकमल भंडारी, एडवोकेट अशोक ओपावत, नैनाराम चौहान, ब्र.कु. शैल बहन, ब्र.कु. सुनीता बहन व अन्य ब्र.कु. भाई-बहनों सहित नगर के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शांतिवन। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े के साथ आध्यात्मिक ज्ञानचर्चा करने के पश्चात् उन्हें ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए राजयोगी ब्र.कु. दिलीप भाई। इस अवसर पर ब्र.कु. किशोर भाई व ब्र.कु. ईश्वर भाई मौजूद रहे।

तिनसुकिया-असम। अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी का तिनसुकिया मेडिकल कॉलेज में आगमन हुआ। जहाँ ब्रह्माकुमारीज़ के स्थानीय सेवाकेंद्र की संचालिका ब्र.कु. रजनी बहन, ब्र.कु. विनोद भाई, ठाकुरिया भाई तथा चंद्रकला बहन ने उनसे मुलाकात की। इस मौके पर मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल रूपक कुमार गोगोई तथा अन्य लोग मौजूद रहे।

दिल्ली-हरि नगर। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर दीपावली के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में राजयोगिनी ब्र.कु. शुक्ला दीदी ने सभी को दीपावली का आध्यात्मिक रहस्य बताया। कार्यक्रम में भारतीय नौसेना के पूर्व वाइस एडमिरल ब्र.कु. एस.एन. घोरमडे, कर्नल ब्र.कु. सती,रिटा. तथा अन्य गणमान्य अतिथियों सहित बड़ी संख्या में ब्र.कु. भाई-बहनें मौजूद रहे।

गुमला-झारखंड। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए एसडीपीओ सुरेश प्रसाद, डॉ. बनारसी भाई, ब्र.कु. शांति बहन, डॉ. नीलम सिन्हा, जिला उपभोक्ता फोरम अध्यक्ष ओम प्रकाश पांडे, प्रो. अनुभव चक्रवर्ती, डॉ. हेमंत, डॉ. कृष्ण एवं प्राचार्य संदीप जी।

दिल्ली-मजलिस पार्क। नवरात्रि के उपलक्ष्य में आयोजित त्रिदिवसीय चैतन्य नव दुर्गा झाँकी में दीप प्रज्वलित करते हुए विधायक पवन शर्मा। साथ हैं स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. राजकुमारी दीदी, स्वरूप नगर सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. शारदा बहन, खेड़ा कला सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. सुभ्रा बहन तथा अन्य।

गया-ए.पी. कॉलोनी(बिहार)। भूमि पूजन समारोह में राजयोगिनी ब्र.कु. रुक्मिणी दीदी, ब्र.कु. सुनीता दीदी, ब्र.कु. प्रतिमा दीदी, राजकुमार अग्रवाल, डॉ. श्री प्रकाश, डॉ. संजय वर्मा, श्रीमती सुशीला डालमिया तथा अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।